BSKG-173

बी. ए. संस्कृत आनर्स कार्यक्रम

(BSKH)

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2023 एवं जनवरी, 2024 सत्रों के लिये)

BSKG-173 आधार संस्कृत

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

आधार संस्कृत : BSKG-173

सत्रीय कार्य (2023-24)

पाठ्यक्रम कोड : BSKG-173/2023-24

प्रिय छात्रो/छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिये 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिये।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता :.....

दिनाँक :.....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य कोड :.....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणी परक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई, 2023 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2024

जनवरी, 2024 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2024

सत्रीय कार्य : BSKG-173 आधार संस्कृत

सत्रीय कार्य – BSKG-173/TMA/2023-24 पूर्णांक - 100

नोट – **इस सत्रीय कार्य में दिए गए सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**

प्रश्न - 1 संस्कृत भाषा के कारकों का परिचय दीजिए । 10

प्रश्न – 2 निम्न में से किन्हीं पांच के उत्तर लिखिए । 10

i) लकार किसे कहते हैं ?

ii) वाच्य परिवर्तन से क्या अभिप्राय है?

iii) 'रामाय' पद में कौन सी विभक्ति तथा कारक है?

iv) 'बालक वृक्ष पर बैठा' इस वाक्य में वृक्ष कौन सा कारक है?

v) संस्कृत भाषा में पञ्चमी विभक्ति का प्रयोग कहाँ होता है?

vi) लकार और काल में परस्पर क्या सम्बन्ध है?

प्रश्न -3 कोष्ठक में से उचित विकल्प का चयन कीजिए । 10

i) ..... धावति । (बालकौ/बालका:/बालक:)

ii) राम: .....फलं ददाति । (श्यामं/श्यामाय/श्यामस्य)

iii) अहं .....पत्रं लिखामि। (कलमेन/कलमात्/कलमम्)

iv) एष: .... अस्ति? (क:/का/किम्)

v) रमा.....गच्छति। (नगरे/नगरम्/नगरस्य)

प्रश्न - 4 निम्नलिखित धातुओं के निर्देशानुसार रूप लिखें । 10

i) स: फलं..... । (खाद् धातु लट् लकार)

ii) बालिका कथां ..... । (श्रु धातु लट् लकार)

iii) बालकौ कार्यं ..... । (कृ धातु,लृट् लकार)

iv) यूयं कार्यं ..... । (कृ धातु, लोट् लकार)

v) त्वं गुरुं ..... । (सेव् धातु, लङ् लकार)

प्रश्न – 5 निम्नलिखित में से पांच वाक्यों का संस्कृत अनुवाद कीजिए । 10

i) मैं गाना सुनता हूँ।

ii) वह भोजन करता है।

iii) हम सबको माता-पिता की सेवा करनी चाहिए ।

iv) राम विद्यालय गया।

v) शब्द को ध्यान से सुनो ।

vi) वह बस से यात्रा करती है ।

vii) शिव को नमन ।

प्रश्न – 6 निम्नलिखित में से पाञ्च वाक्यों का वाच्यपरिवर्तन कीजिए । 10

i) त्वं पठसि।

ii) स: लिखति ।

iii) अहं गच्छामि।

iv) राम: गच्छति।

v) सीता पुस्तके पठति ।

vi) वयं हसाम: ।

प्रश्न – 7 निम्नलिखित धातुओं से निर्देशानुसार प्रत्यय लगाकर शब्द लिखें । 10

i) पठ् + क्त्वा =

ii) पा + क्त (स्त्रिलिङ्ग) =

iii) सेव् + तुमुन् =

iv) गम्+ तुमुन् =

v) पठ् + क्त (पुल्लिङ्ग) =

प्रश्न – 8 निम्नलिखित पदों में नामोल्लेख पूर्वक सन्धि कीजिए। 10

i) भानु + उदय =

ii) मुनि + उपदेश =

iii) पुरुष + अर्थ =

iv) राम: + अस्ति =

v) नि: + चित् =

प्रश्न – 9 निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए । 7 × 2 = 14

i) एवं सततयुक्ता ये भक्तास्त्वां पर्युपासते
ये चाप्यक्षरमव्यक्तं तेषां के योगवित्तमाः ॥

ii) यस्मान्नोद्विजते लोको लोकान्नोद्विजते च यः ।
हर्षामर्षभयोद्वेगैर्मुक्तो यः स च मे प्रियः ॥

iii) क्लेशोऽधिकतरस्तेषामव्यक्तासक्तचेतसाम् ।
अव्यक्ता हि गतिर्दुःखं देहवद्भिरवाप्यते ॥

प्रश्न – 10 प्रश्न संख्या 9 में दिए गए श्लोकों में अधोरेखित तीन पदों की संधि, क्रियारूप, विभक्ति तथा कारक आदि बताएं । 6